

निपुण लक्ष्य

निपुण लक्ष्य (NIPUN Lakshya) का पूरा नाम “राष्ट्रीय पहल: पढ़ाई में समझदारी और अंकों में निपुणता” (National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy) है। यह भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसे बच्चों में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता (foundational literacy and numeracy) को मजबूत करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। निपुण लक्ष्य के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं।

1. बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता सुनिश्चित करना: यह योजना सुनिश्चित करना चाहती है कि कक्षा 3 तक के सभी बच्चे पढ़ने, समझने और गणित की बुनियादी अवधारणाओं में निपुण हो जाएं।
2. समयबद्ध लक्ष्य: योजना का उद्देश्य 2026-27 तक बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता के लक्ष्यों को प्राप्त करना है।
3. शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को सुधारना: शिक्षकों को बेहतर प्रशिक्षण और संसाधन प्रदान करके शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में सुधार करना।
4. सतत मूल्यांकन: बच्चों की प्रगति का नियमित मूल्यांकन करके यह सुनिश्चित करना कि वे सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।
5. समुदाय और अभिभावकों की भागीदारी: समुदाय और अभिभावकों को इस प्रक्रिया में शामिल करना ताकि वे बच्चों के शैक्षिक विकास में सहयोग कर सकें।
6. बहुआयामी रणनीति: विभिन्न शिक्षण सामग्री, डिजिटल साधनों, और शिक्षण विधियों का उपयोग करके बच्चों के सीखने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और आकर्षक बनाना।

निपुण भारत कार्यक्रम के तहत निम्नलिखित प्रमुख कदम उठाए जा सकते हैं:

- शिक्षकों का प्रशिक्षण और विकास: शिक्षकों को बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता पर केंद्रित प्रशिक्षण प्रदान करना।
- शिक्षण सामग्री का विकास: बच्चों के लिए आकर्षक और प्रासंगिक शिक्षण सामग्री विकसित करना।
- नियमित मूल्यांकन: बच्चों की प्रगति की नियमित निगरानी और मूल्यांकन करना।
- अभिभावकों और समुदाय की भागीदारी: अभिभावकों और समुदाय के सदस्यों को बच्चों की शिक्षा में सक्रिय रूप से शामिल करना।

इस योजना का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी बच्चे प्रारंभिक कक्षाओं में ही पढ़ाई और गणित की बुनियादी क्षमताओं में निपुण हो जाएं, जिससे उनका भविष्य का शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास मजबूत हो सके।